अमर उजाला

बरेली
रविवार, 26 जुलाई 2025

PAGE NO, 06, MIDDLE

एसआरएमएस में रुहेलखंड क्षेत्र का पहला लिवर बाइपास

बरेली (वि)। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में रुहेलखंड क्षेत्र का पहला टिप्स (ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट-टीआईपीएस) प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया गया। इससे छह माह से अधिक समय से जलोदर (पेट में तरल पदार्थ के जमाव) की समस्या से पीड़ित नैनीताल के गांव भुजियाघाट निवासी राम सिंह (44 वर्ष) का उपचार हुआ। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. शिवम गुप्ता और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. नम्रता सिंह ने मरीज का उपचार किया। दोनों ने एनेस्थीसिया विभाग, क्रिटिकल केयर और मेडिसिन विभाग के सहयोग से 13 जुलाई 2025 को टीआईपीएस प्रोसीजर किया। डॉ. शिवम ने कहा कि रुहेलखंड क्षेत्र में पहली बार यह प्रोसीजर किया गया। इसे आम बोलचाल मे लिवर बाईपास के नाम से जाना जाता है। डॉ.नम्रता ने बताया कि टीआईपीएस कोई शल्य चिकित्सा प्रक्रिया नहीं है। यह लिवर में दो रक्त वाहिकाओं के बीच नया कनेक्शन बनाने की प्रक्रिया है। डॉ. ललित सिह, डॉ. गीता कार्की, डॉ. नीरज प्रजापति, डॉ. अमित वार्ष्णेय उपस्थित रहे।